Fw – फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर मत्ती १६:५-१२ और मरकुस
८:१३-२६ | 1

– Save This Page as a PDF–

फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर

मत्ती १६:५-१२ और मरकुस ८:१३-२६

खोदाई: यीशु द्वारा पहले ही किए गए सभी चमत्कारों के प्रकाश में, फरीसी स्वर्ग से चिन्ह की मांग क्यों करेंगे? यदि मसीहा ने एक प्रदान किया होता तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया दी होती? वह ख़मीर क्या है जिसके बारे में प्रभु ने चेतावनी दी थी? ख़मीर येशुआ की रोटी से किस प्रकार भिन्न है? प्रेरित उसकी टिप्पणियों को किस प्रकार लेते हैं? मरकुस ८:१७-२१ में आप मसीह को किस स्वर में बोलते हुए सुनते हैं? क्यों? सुसमाचार में अन्यत्र पाँच, सात और बारह संख्याओं का उपयोग कहाँ किया गया है? इन संख्याओं को उजागर करने में यीशु का उद्देश्य क्या है? इन संख्याओं और फीडिंग से बारह को उसके बारे में क्या समझना चाहिए? प्रश्नों की श्रृंखला में मसीहा का उद्देश्य क्या था? प्रेरित उसे समझने में इतने धीमे क्यों थे?

चिंतन: आप झूठी शिक्षा और उसके साथ अक्सर आने वाली बुरी आत्मा से कैसे बच सकते हैं? फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर आज कैसे देखा जा सकता है? यह इस बात से कैसे पता चलता है कि लोग परमेश्वर से कैसे संबंधित हैं? एक दूसरे के लिए? हृदय की कठोरता का आपके लिए क्या अर्थ है? येशुआ ने आपके हृदय को कैसे नरम बना दिया है?

तब यीशु ने सन्देह करने वाले फरीसियों और सदूकियों को छोड़ दिया, और प्रेरितों के साथ नाव पर चढ़कर गलील की झील के दूसरी ओर चला गया। जैसे ही पश्चिमी तट उनकी पिछली सेवकाई के महानतम दिनों की गौरवशाली यादों से फीका पड़ गया, ईसा मसीह अवश्य ही चिंतित मूड में रहे होंगे। मास्टर को यकीन था कि बारहों को उस खतरे का एहसास नहीं था जिसका सामना वह और वे फरीसियों, सदूकियों और हेरोदियों की साजिश से कर रहे थे। इन लोगों के झूठे सिद्धांतों, शिक्षाओं और नेतृत्व के कारण पहले से ही जनता का एक बड़ा दलबदल हो चुका था। वे उससे नफरत करते थे और तब तक कोई कसर नहीं छोड़ते थे जब तक कि वे येशुआ और उसकी सेवकाई को ख़त्म नहीं कर देते थे।

उनके शिष्यों, जिन पर भविष्य के लिए बहुत कुछ निर्भर था, के लिए सबसे बड़ा खतरा यह था कि वे इन संयुक्त शत्रुओं की झूठी शिक्षा से दूषित हो सकते थे। उन षडयंत्रकारी फरीसियों ने स्वर्ग से चिन्ह माँगकर यीशु को एक कठिन स्थिति में डाल दिया था, जहाँ उसे आसानी से गलत समझा जा सकता था (मती १६:१; मरकुस ८:११)। उसके प्रेरितों को आश्चर्य हुआ होगा कि उसने उन्हें एक भी क्यों नहीं दिया। क्या तानाख ने भविष्यवाणी नहीं की थी कि मसीहा ऐसा करेगा? बारहों को उन पाखंडी

Fw – फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर मत्ती १६:५-१२ और मरकुस
८:१३-२६ | 2

शत्रुओं के मोहक प्रभाव के विरुद्ध चेतावनी दी जानी चाहिए, जो धार्मिक उत्साह की आड़ में उसे और उन्हें दोनों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे।

नाव में रहते हुए, शिष्यों को एहसास हुआ कि वे अपने साथ रोटी लाना पूरी तरह से भूल गए थे, सिवाय एक रोटी के जो उनके पास थी (मती १६:५; मरकुस ८:१३-१४)। क्या फरीसियों से उनका शीघ्र चले जाना इसका कारण था? किसी भी दर पर, उनकी विफलता ने मसीहा के लिए अपने प्रेरितों को एक महत्वपूर्ण सबक सिखाने के लिए मंच तैयार किया। सावधान रहें, यीशु ने उन्हें चेतावनी दी। क्रिया अपूर्ण काल में है, जिसका अर्थ है कि उसने उन्हें बार-बार चेतावनी दी है। फरीसियों, सदूकियों और हेरोदियों के ख़मीर [हिब्रू चैमेट्ज़] से सावधान रहें (मती १६:६; मरकुस ८:१५; हेरोदियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें Cw – यीशु एक कटे हुए हाथ बाला एक आदमी को ठीक करता है)। शिष्यों को अपनी आँखों के उपयोग से समझना था। इसका उपयोग लाक्षणिक अर्थ में किया जाता है, मन की आंखों से देखना, मानसिक रूप से समझना, समझना। उन्हें विचार करने और निगरानी रखने के लिए लगातार सतर्क नजर रखनी थी।

हिब्रू शब्द चामेत्ज़ एक बैक्टीरिया है जो रोटी पकाने के लिए आवश्यक है। लेकिन रब्बी परंपरा ने इस बात पर जोर दिया है कि चैमेट्ज़ भी पाप का एक उपयुक्त प्रतीक है जो फूल जाता है और मानव आत्मा में व्याप्त हो जाता है (ट्रैक्टेट बेराखोट १७ए)। यह एक शक्तिशाली प्रतीक है कि फसह के दिन, पारंपरिक यहूदियों और मसीहाई विश्वासियों को अपने आध्यात्मिक जीवन को भी शुद्ध करने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में अपने घरों से चैमेट्ज़ को हटाने का आदेश दिया जाता है।

जब भी धर्मग्रंथों में शैमेट्ज़ का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है, तो यह हमेशा पाप का प्रतीक होता है (मती १३:३३, १६:१२; प्रथम कुरिन्थियों ५:६-८)। लेकिन गॉस्पेल के भीतर, जब भी चैमेट्ज़ का उपयोग किया जाता है, तो यह हमेशा झूठे सिद्धांत या झूठी शिक्षा का प्रतीक होता है जो अदृश्य रूप से काम करता है। येरूशलेम के सभी तीन धार्मिक संप्रदाय यीशु के बारे में झूठी शिक्षा फैला रहे थे, और उन्होंने प्रेरितों को इस पर विश्वास न करने की चेतावनी दी। तीनों ने अलग-अलग झूठ बोला। फरीसियों के चेमेत्ज़ ने झूठ बोला और कहा कि यीशु में दुष्टात्मा थी; सदूकियों के चेमेट्ज़ ने झूठ बोला और कहा कि यीशु मोशे द्वारा स्थापित मंदिर में पूजा के खिलाफ थे; हेरोदियों के चेमेट्ज़ ने झूठ बोला और कहा कि यीशु हेरोदेस के घराने के माध्यम से रोमन शासन का विरोध करते थे। एक बार दिल या समाज में प्रवेश करने के बाद, यह झूठी शिक्षा तब तक फैल जाएगी जब तक कि यह यहोवा की आज्ञाकारिता को असंभव नहीं बना देती।

फरीसियों और सदूकियों के कपटपूर्ण प्रश्नों और खाने के लिए रोटी की कमी के प्रकाश में, येशुआ ने दोनों के बीच सही संबंध बनाया। उन रब्बियों की कुछ शिक्षाएँ (और प्रेरणाएँ) एक आध्यात्मिक जादू की तरह थीं जो उनकी आत्माओं को भ्रष्ट कर सकती थीं। सबसे पहले, शिष्यों ने इस शिक्षण को नहीं समझा, वे केवल सबसे

Fw – फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर मत्ती १६:५-१२ और मरकुस
८:१३-२६ | 3

स्पष्ट संबंध के बारे में सोच सकते थे। उन्होंने नाव में आपस में इस पर चर्चा की और कहा: यीशु यह इसलिए कह रहा है क्योंकि हम रोटी नहीं लाए (मत्ती १६:७; मरकुस ८:१६)।

उनकी चर्चा से अवगत होकर, यीशु ने प्रेमपूर्ण फटकार के रूप में उनके लिए संबंध बनाया। उस ने उन से पूछा, हे अल्पविश्वासियों, तुम आपस में रोटी न होने की बात क्यों करते हो। क्या आप अभी भी नहीं देखते या समझते हैं? क्रिया अपूर्ण है, निरंतर क्रिया का बोध कराती है। उसने इसे बार-बार कहा, आधा उनसे बात कर रहा था, आधा खुद से। क्या आपके हृदय कठोर हो गए हैं (मती १६:८-९ए; मरकुस ८:१७)? वे स्पष्ट रूप से यह नहीं समझ पाए कि वह केवल उनकी रोटी की कमी की ओर इशारा नहीं कर रहे थे। फिर उसने यहेजकेल १२:२ उद्धृत करते हुए कहा: क्या तेरी आंखें हैं, परन्तु देखते नहीं, और कान हैं, परन्तु सुनते नहीं? यह आश्चर्यजनक रूप से उस अंश के करीब लगता है जिसे उन्होंने पवित्र आत्मा की निन्दा के बारे में उद्धृत किया था। वे बहुत समान अंश हैं। मूलतः येशुआ कह रहा है, “क्या तुम बाकियों की तरह हो जिन्होंने मुझे अस्वीकार कर दिया है?” क्या आपके पास कान होंगे और आप सुनेंगे नहीं? क्या आपके पास भी आंखें होंगी और आप नहीं देख पाएंगे? वे किस दिशा में जाएंगे? हमें जल्द ही कैसरिया फिलिप्पी में पतरस के कबूलनामे का पता चल गया।

यदि और कुछ नहीं, तो प्रेरितों को अपने दिमाग में पांच हजार लोगों को खाना खिलाना (देखें Fn – यीशु ५,००० को खाना खिलाता है), और चार हजार को खाना खिलाना (देखें Fu
– यीशु एक बहरे मूक को ठीक करता है और ४,००० को खाना खिलाता है) को याद रखना चाहिए था। क्या तुम्हें वे पाँच हज़ार के लिये पाँच रोटियाँ और बारह टोकरियाँ भर टुकड़े उठाये हुए याद नहीं हैं? या चार हजार के लिये सात रोटियां, और सात टोकरियां भर टुकड़े जो तू ने उठाए थे (मत्ती १६:९बी-१०; मरकुस ८:१८-२०)? यह ऐसा था मानो वह कह रहा हो, “अगर मुझे केवल हमारी रोटी की चिंता होती, तो मैं बस अपना कुछ निर्माण कर लेता!” आप यह कैसे नहीं समझते कि मैं आपसे रोटी के बारे में बात नहीं कर रहा था? दांव पर लगे जबरदस्त मुद्दों को देखते हुए, उनके सवाल की पृष्ठभूमि में आत्मा की पीड़ा थी, लेकिन मार्गदर्शन के लिए रुआच हाकोडेश के बिना, उन्हें अभी भी मसीह के प्रेरितिक कॉलेज में बहुत कुछ सीखना था। अंततः यीशु को उन्हें समझाना पड़ा कि वह फरीसियों और सदूकियों के सिद्धांतों के बारे में बात कर रहा था।

प्रभु केवल रोटी के बारे में बात नहीं कर रहे थे। उसने उन से कहा, परन्तु फरीसियों और सदूकियों की चाल से सावधान रहो। दूसरे शब्दों में, मौखिक ब्यबस्था की शिक्षा (देखें Ei – मौखिक ब्यबस्था) चैमेट्ज़ की तरह थी जिसमें यह टोरा की शुद्ध समझ में प्रवेश करती है और यहां तक कि उसे भ्रष्ट भी करती है। मसीह उनकी झूठी शिक्षाओं के साथ-साथ उनके बेईमान रवैये दोनों का उल्लेख कर सकता है, जैसा कि मसीहा के साथ उनके धोखेबाज मुठभेड़ों में देखा गया था। तब उन्हें समझ में आया कि यीशु उन्हें रोटी में इस्तेमाल होने वाले खमीर से सावधान रहने के लिए नहीं कह

Fw – फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर मत्ती १६:५-१२ और मरकुस
८:१३-२६ | 4

रहे थे, बल्कि फरीसियों और सदूकियों की झूठी शिक्षा से सावधान रहने के लिए कह रहे थे (मती १६:११-१२; मरकुस ८:२१)।

जब ईशु मसीहा और बारह बेथसैदा जूलियस (जहाँ ५,००० लोगों को खाना खिलाया गया था) आए तो शायद दोपहर हो चुकी थी और उन्होंने वहीं रात बिताई होगी। हालाँकि, शहर में उनके प्रवेश पर किसी का ध्यान नहीं गया। अगली सुबह कुछ लोग एक अंधे आदमी को लाए और यीशु से उसे छूने की विनती की (मरकुस ८:२२)। यह सैन्हेड्रिन द्वारा आधिकारिक अस्वीकृति के बाद था और वह अब अपने मसीहा को प्रमाणित करने के लिए जनता के लिए चमत्कार नहीं कर रहा था। उनका उपचार केवल व्यक्तिगत आवश्यकता के आधार पर किया गया था (देखें En – मसीह के मंत्रालय में चार कठोर परिवर्तन)। इस प्रकार, उसने अंधे आदमी का हाथ पकड़ा और उसे गाँव के बाहर ले गया जहाँ कोई और नहीं देख सकता था कि वह क्या करने वाला था।

जब वे गाँव के बाहर पहुँचे, तो यीशु ने उस मनुष्य की
आँखों में थोड़ा थूक डाला, और उस पर हाथ रखकर पूछा, क्या तुझे कुछ दिखाई देता है? आदमी ने ऊपर देखा और कहा: मैं लोगों को देखता हूं, वे चारों ओर घूमते हुए पेड़ों की तरह दिखते हैं। इससे पता चला कि देखने की क्षमता बहाल हो गई थी, लेकिन आदमी अभी भी एक रूपरेखा से अधिक देखने के लिए ध्यान केंद्रित करने में सक्षम नहीं था। वह अभी तक विवरण में अंतर नहीं कर सका। इसमें उसकी दृष्टि किसी नवजात शिशु की तरह थी जो आकृतियाँ तो देख सकता है, लेकिन ध्यान केंद्रित करने और विवरण देखने में सक्षम नहीं है।854 एक बार फिर येशुआ ने उस आदमी की आँखों पर अपना हाथ रखा। तब उसकी आंखें खुल गईं, उसकी दृष्टि बहाल हो गई और उसने सब कुछ स्पष्ट रूप से देखा (मरकुस ८:२३-२५)। स्पष्ट रूप से अनुवादित शब्द (ग्रीक: टेलौगोस) का अर्थ स्पष्ट रूप से दूरी पर है, और यह आदमी की दृष्टि की पूर्ण बहाली का चिन्ह देता है।

इससे हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि उनके उपचार का कोई फार्मूला नहीं था। तब यीशु ने उसे यह कहकर घर भेज दिया: गांव में मत जाओ (मरकुस ८:२६)। मौन की नीति जारी रही. यह एकमात्र चमत्कार है जिसे येशुआ हा-मशियाच दो चरणों में करता है जिसके बारे में हम जानते हैं। यह दो चरणों वाला उपचार स्वयं इस्राएल के उपचार को

Fw – फरीसियों और सदूकियों का ख़मीर मत्ती १६:५-१२ और मरकुस
८:१३-२६ | 5

दर्शाता है और उसके अंधेपन का दो चरणों वाला उपचार प्रभु के पहले और दूसरे आगमन की बात करता है।

पहली बार जब प्रभु ने उस आदमी पर अपना हाथ रखा, तो वह केवल लोगों की अस्पष्ट रूपरेखा देख सका। वे उसे पेड़ों की तरह अधिक दिखते थे। यह उस भ्रमित और अधूरे तरीके का वर्णन करता है जिस तरह से इज़राइल ने अपने मसीहा को पहली बार देखा था। येशुआ के बारे में उनकी दृष्टि इतनी स्पष्ट नहीं थी कि जब वह आए तो वे उसे पहचान सकें।

दूसरी बार जब यीशु ने उस आदमी की आँखों को छुआ, तो वह स्पष्ट रूप से देख सका। उसी तरह, अगली बार जब मसीहा आएगा तो इस्राएल के बचे हुए लोगों को ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि वह कौन है। जकर्याह १२:१० कहता है: वे मुझ पर, अर्थात जिसे उन्होंने बेधा है, दृष्टि करेंगे, और उसके लिये ऐसा विलाप करेंगे जैसा कोई एकलौते पुत्र के लिये रोता है, और उसके लिये ऐसा घोर शोक करेंगे जैसा कोई पहिलौठे पुत्र के लिये रोता है।

अगले भाग में, पीटर का कबूलनामा इज़राइल की आंशिक दृष्टि के पहले चरण को दर्शाता है। रब्बी शाऊल ने लिखा: हे भाइयो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस रहस्य से अनभिज्ञ रहो, ऐसा न हो कि तुम अहंकारी हो जाओ: जब तक अन्यजातियों की पूरी संख्या नहीं आ गई तब तक इस्राएल ने आंशिक आध्यात्मिक अंधता का अनुभव किया है (रोमियों ११:२५). दूसरा चरण महान क्लेश के अंत में आएगा जब पूरा राष्ट्र यीशु को मसीहा के रूप में स्वीकार करेगा (मेरी टिप्पणी देखें प्रकाशितवाक्य ईवि – यीशु मसीह के दूसरे आगमन का आधार) तब सभी इज़राइल बच जाएंगे , जैसा लिखा है: छुड़ानेवाला सिय्योन में आएगा। वह अभक्ति को याकूब से दूर कर देगा (रोमियों ११:२६)।